माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
Hindi	0	5	1	English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 – 1587417

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	2	2	4	4	2	8	5	6	9
शब्दों में	दो	दो	चार	चार	दो	आठ	पाँच	छः	नौ

BOARDOFSECONDARY माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ									
	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2022

केन्द्र क्रमांक-441047

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
सुमन कुमार	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
बी.के.पटेल उ.मा.शि. 782159	चन्द्रकला बिसेन उ.मा.शि. 782213

नोट :– "हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परी... में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्र... पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार... स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
		कुल प्राप्तांक अंकों में

बी.एल.राणा व्याख्याता

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करें और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

2

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं.- 01

उत्तर- 1) जग-जीवन का।

उत्तर- 2) तुलसीदास की।

3) जब मन खाली न हो।

4) चाँद सिंह को।

आनन्द यादव।

उपरोक्त सभी।

प्रश्न-क्रं.- 02

(i) प्रत्याशा।

(ii) लक्ष्मिन।

(iii) मराठी।

(iv) अधिक।

(v) उत्साह।

(vi) मालिका।

प्रश्न क्र.

(viii) आकाश।

प्रश्न-क्रं. -03

(i)	बात की चूड़ी मर जाना	बात का प्रभावहीन हो जाना
(ii)	अवधूत	शिरीष के फूल
(iii)	सिल्वर वैडिंग	यशोधर बाबू
(iv)	कहानी का केन्द्रिय बिन्दु	कथानक
(v)	चौपाई छन्द	16-16 मात्राएँ
(vi)	तत्सम	संस्कृत के मूल शब्द

प्रश्न क्रं.-04

(i) सूर्योदय होने पर।

(ii) दो।

(iii) मुआनजो-दड़ो।

(iv) 10-15 मिनट।

(v) तीन।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नः क्र॰ 04

(i) उषा का जादू सूर्योदय होने पर टूटता है।

(ii) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(iii) सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो था।

आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 10-से 15 मिनट की होती है।

शब्दगुण तीन प्रकार के होते हैं।

'दूसरा घर कर लेना' - मुहावरे का अर्थ है दूरी बना लेना।

क्रिया विशेषण → क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

प्रश्न॰ क्र॰ - 05

(i) सत्य।

(ii) असत्य।

(iii) ~~सत्य~~। असत्य।

(iv) असत्य।

(v) असत्य।

क्र.
(i) असत्य। असत्य।

प्रश्नः क्रं०- 06

बच्चे किस आशा में नीडों से झाँक रहे हैं?

उत्तर—06 पक्षी दिनभर भोजन की तलाश में यहाँ-वहाँ भटकते रहते हैं व उनके बच्चे अपने माता-पिता की प्रतिक्षा करते हैं कि कब माता पिता आयेंगे और उनका पेट भरेंगे। साथ ही वे माता-पिता के स्नेहील-स्पर्श की कामना करते हैं, क्योंकि छोटे बच्चों को अपनी माता का स्नेहील-स्पर्श व प्रेम प्रदर्शन असीम आनन्द देता हैं। इन्हीं सब की पूर्ति के लिए बच्चे नीडो से झाँक रहे हैं।

प्रश्न क्रं० - 07 (अथवा)

छोटा मेरा खेत' के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या है?

विता के सन्दर्भ में अंधड का अर्थ है- भावना का आवेग व ज्ञात प्रेरणा जिससे की मन में कोई भाव जाग्रत हो उठता है। बीज का अर्थ- किसी निश्चित विषय-वस्तु का मन में जाग्रित होना। जब कोई विषय लेखक के हृदय को कुरेदने लगता है या बिंब का रूप धारण का कर अभिव्यक्ति को व्याकुल होता हैं तो उसे बीजारोपन कहा जाता है।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं. -08

भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई?

उत्तर. भक्तिन के आ जाने से महादेवी ने लगभग उन सभी संस्कारों तथा क्रियाकलापों को अपना लिया था जो देहात में अपनाए जाते हैं। महादेवी भक्तिन से सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेती थी ताकि किसी भी प्रकार की जानकारी अधूरी ना रह जाए। जैसे - धोती साफ करना, सामान बाँधना आदि बातें महादेवी ने भक्तिन से ही सीखी थी। महादेवी भक्तिन के साथ रहकर देहाती भाषा भी बोलने लगी थी, इन्हीं सभी कारणों से वह देहाती हो गई थी।

M
B
S
E

प्रश्न क्रं. -09 (अथवा)

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा है?

उत्तर. लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (अर्थात काल को जीतने वाला सन्यासी) इसलिए कहा है - क्योंकि जिस प्रकार साधु-सन्यासी अपनी जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में समान भाव से व्यवहार करते हैं और अपने जीवन का आनन्द लेते हैं, उसी प्रकार शिरीष के पेड़ भी ग्रीष्म की प्रचण्ड गर्मी में भी जब लू से हृदय उबलते हैं और उमस से प्राण सूखते हैं, तब भी स्वयं को रस एवं फल-फूलों से परिपूर्ण रखता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न.10 (अथवा)

यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

उत्तर. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ सफल ढल सकने में सफल होती हैं क्योंकि वह जानती हैं कि बच्चों के साथ चलने में ही सहजता होती है। बहुत समय से संयुक्त परिवार में रहने के कारण यशोधर बाबू की पत्नी अपनी इच्छाओ को पूरा नहीं कर पाई, इसलिए अब बच्चों के साथ मिलकर अपनी इच्छाओं को तृप्त करती हैं। परन्तु यशोधर बाबू परम्परावादी, धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। ...माजिक परम्पराओं का अनुसरण करना व संयुक्त परिवार ... रहना उन्हें लुभाता है। वह आधुनिकता से दूर भागते ... इसलिए असफल रहे।

M P B S E

प्रश्न क्र. 11 (अथवा)

समाचार लेखन में मुख्यतः किन छः सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है?

उत्तर: समाचार लेखन में मुख्यतः छः सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है। वे निम्न है -

कहाँ

कब

...कैसे

...या

...सने

...से।

99.1... mm x 33.9mm x 16
Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 12 (अथवा)

विरोधाभास अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

उत्तर • परिभाषा ⇛
जब किसी काव्य के पदार्थ, गुण या क्रिया में वास्तविक विरोध न होते हुए भी, विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

उदाहरण ⇛
ज्यों-ज्यों बूड़े श्याम रंग, त्यों-त्यों उज्ज्वल होय।
(डूबना)

P
B
S

प्रश्न क्र. - 13 (अथवा)

अभिधा शब्द शक्ति की परिभाषा लिखिए।

परिभाषा ⇛
परम्परागत रूप में प्रचलित मुख्य अर्थ का बोध कराने वाली शब्द शक्ति, अभिधा शब्द शक्ति कहलाती है।

जैसे ⇛ मोहन अच्छा बालक है।

प्रश्न क्र. 14

मुहावरे और लोकोक्ति में अन्तर लिखिए (2)।

प्रश्न क्र.
उत्तर-

• मुहावरे	• लोकोक्तियाँ (लोक + उक्ति)
• मुहावरे वाक्यांश होते हैं।	लोकोक्तियाँ पूर्ण वाक्य होती हैं।
• मुहावरों में पूर्ण स्वतंत्रता नही होती है।	लोकोक्तियाँ पूर्ण स्वतंत्र वाक्य होती हैं।
मुहावरे विकारी होते हैं।	लोकोक्तियाँ अविकारी होती हैं।

P
B
S
E

प्रश्न क्रं. 15

वाक्य शुद्ध कीजिए-

(i) ईश्वर के अनेकों नाम हैं।

शुद्ध वाक्य ⇒ ईश्वर के अनेक नाम हैं।

(ii) मुझे केवल मात्र बीस रुपये दीजिए।

शुद्ध वाक्य ⇒ मुझे केवल बीस रुपये दीजिए।

प्रश्न क्र. 16

• महाकवि गोस्वामी तुलसीदास -

• दो रचनाएँ ⇒ 'रामचरितमानस' (महाकाव्य), 'गीतावली', 'कवितावली',

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATI ... ESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYE
मध्यप्रदेश
MPBSE

प्रश्न क्र.

'कृष्ण गीतावली', 'विनय पत्रिका' आदि रचनाएँ गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित है।

• भावपक्ष ⇒

(i) भक्तिभाव का प्राधान्य (राम-भक्ति) ⇒ गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित 'रामचरितमानस' (महाकाव्य) में उन्होंने प्रभु श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन का वर्णन किया। तुलसी की रचनाओं में भक्ति-भाव की प्रधानता देखने को मिलती है। गोस्वामी तुलसी जी द्वारा ही आज जनमानस को मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन की कथाओं का लाभ प्राप्त हुआ तथा उन्होंने लोकमंगल का समन्वय भी किया।

• कलापक्ष ⇒

1) भाषा ⇒ गोस्वामी तुलसीदास जी की भाषा 'ब्रज' भाषा थी। उन्होंने अपनी रचनाओं में ब्रज एवं अवधी भाषा का प्रयोग किया है। रामचरितमानस में उन्होंने अवधी भाषा का प्रयोग किया है।

) शैली ⇒ गोस्वामी तुलसीदास जी की रचनाओं में प्रांजल शैली व्याप्त है। उनकी रचना विनय पत्रिका में गेय पद शैली का प्रयोग हुआ है।

साहित्य में स्थान ⇒ गोस्वामी तुलसीदास जी भक्तिकाल के श्रेष्ठ कवि माने जाते हैं। इनका नाम हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल में अपने नाम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित करवा लिया है अतः हिन्दी साहित्य में इनका स्थान अद्वितीय है।

प्रश्न. क्रं. 17

• महादेवी वर्मा -:

(i) दो रचनाएँ →

- काव्य संग्रह → 'नीरजा', 'रश्मि', 'दिपशिखा'।
- संस्मरण → 'पद के साथी'।
- रेखाचित्र → 'स्मृति की रेखाएँ', 'अतीत के चलचित्र'।

(ii) भाषा - शैली →

महादेवी वर्मा की भाषा सशक्त है। इनकी भाषा शुद्ध साहित्यिक भाषा है। इन्होंने अपनी रचनाओं में अरबी, फारसी, उर्दू आदि शब्दो का भी प्रयोग किया है। इनकी रचनाओं में हमें प्रबंधक शैली देखने को मिलती है।

(iii) साहित्य में स्थान →

महादेवी वर्मा हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध रेखाचित्रकार मानी जाती है। रेखाचित्र विधा में हिन्दी साहित्य आपका सदैव आभारी रहेगा। आपकी रचनाओं में मर्मस्पर्श देखने को मिलता ...तः आपका हिन्दी साहित्य में स्थान अद्वितीय है।

प्रश्न. क्रं. 18 (अथवा)

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तरः 'राष्ट्रीय भावना'।

(ii) राष्ट्रीय भावना में किसका विशिष्ट स्थान है?

उत्तरः राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का अपना विशिष्ट स्थान है।

MPBS

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

सुदीर्घ शब्द का अर्थ लिखिए।
बहुत बड़ा।

प्रश्न. क्रं. २०
(अथवा)

कविता एक उड़ान है.....
चिड़िया क्या जाने ?
....

संदर्भ ⇒ ~~प्रस्तुत पंक्तियाँ~~
प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह भाग-२' के पाठ 'कविता के बहाने' से उद्धृत हैं। इसके रचियता उमाशंकर

प्रसंग ⇒
प्रस्तुत पंक्तियों में कविता की तुलना ची चिड़ियाँ से कर के कवि ने उसकी विशेषताओं को व्यक्त किया है।

व्याख्या ⇒
कवि कविता की तुलना चिड़िया से करते हुए कहते हैं कि कविता की उड़ान के बारे में चिड़िया को खबर नहीं है। चिड़िया आकाश में उड़ती हैं किन्तु इसका उड़ना एक सीमा के अन्तर्गत होता है। अंधेरा होने पर चिड़िया को जमीन पर आना ही होता है। परन्तु कविता के संदर्भ में ऐसा नहीं हैं कविता अपने निर्माण के साथ उड़ान भरती है। कविता एक सृजित बार सृजित होने के बाद अनंत काल तक अपने भावों और संस्कारो से श्रोताओं को आनन्दित करती रहती हैं।

M
P
B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 21
(अथवा)

उत्तर — • संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह के पाठ 'पहलवान की ढोलक' से लिया गया है। इसके रचि रचयिता फणीश्वरनाथ रेणु जी है।

• प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश में एक गाँव में फैली महामारी से पीडित लोगो की व्यथा को व्यक्त करता है।

• व्याख्या → गद्यांशानुसार एक गाँव है, जिसमें हैजे व मलेरिया का प्रकोप चारो ओर फैला हुआ है। ऐसे में गाँव के लोगों की हताशा को दूर करने के लिए एक पहलवान (लुट्टन) पूरी रात ढोलक बजाता है। उसके ढोलक की आवाज रात्रि की विभीषिका का चुनौती देती रहती है। ढोलक की आवाज गाँव वालो के लिए संजीवनी का कार्य करती है। ढोलक की आवाज़ से लोगो के मन मे जीने की उम्मीद उत्पन्न होती है। ढोल की हर थाप उनके जीवन में चेतना [illegible] देती है। शक्तिहीन रगों में खून बिजली की तरह दौड़ने [illegible] है।

प्रश्न क्र॰ 18

उत्तर — तत्सम शब्द → संस्कृत के वे शब्द जो बिना परिवर्तन के हिन्दी में प्रयुक्त होते है तत्सम कहलाते।

जबकि, तद्भव शब्द → तत्सम शब्दो को विकृत

प्रश्न क्र.

प्रश्न.क्र. 22

(अथवा)

राजस्व कॉलोनी,
देवास (म.प्र.)
दिनांक - 18/02/2020

प्रिय मित्र,
कमलेश...

आशा है कि तुम स्वस्थ हो। मैं भी यहाँ बहुत मस्त हूँ। मुझे तुम्हें यह बताते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि मेरे बड़े भाई देवांश की शादी की दिनांक तय हो गयी है। दिनांक- 8 मार्च 2020 निश्चित की गई है। मेरे भैया की शादी के लिए हम दोनो ही बहुत उत्सुक थे और अब वह घडी आ चुकी है। मैं सहृदय तुम्हें मेरे भाई की शादी में आमंत्रित करता हूँ। अतः आशा करता हूँ तुम अपने पूरे परिवार के साथ शादी से 4-5 दिन पूर्व यहाँ आ जाओगे। आंटी-अंकल को मेरा प्रणाम व नन्नु को ढेर ...ारा प्यार।

तुम्हारा...
दिव्य

प्रश्न. 18 (अथवा) → उपसर्ग व प्रत्यय में अन्तर लिखिए -

उपसर्ग	प्रत्यय
वे शब्द जो शब्द के आगे जुड़ते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।	वे शब्द जो शब्द की पीछे जुड़ते है, प्रत्यय कहलाते।
आगे जुड़कर मुख्य अर्थ परिवर्तित हो जाता है।	पीछे जुड़कर वह शब्द की विशेषता बताता है।
जैसे. कार	जैसे - झगडा
आ + कार = आकार	झगडा + आलु = झगडालु

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न. क्र. - 25

'पर्यावरण प्रदूषण : उसकी रोकथाम में आपका योगदान'

पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली हानियों से हम सभी अच्छे से परिचित हैं। यदि हम इसके ज्वलन्त उदाहरण में प्लास्टिक (पोलिथीन) बेग को लेकर समझे तो यह मानव जीवन के लिए गहरा संकट है। इसकी हानियों को जानने के बाद भी लोग इसके इस्तेमाल को रोकने का प्रयास नही करते। प्लास्टिक बेग समाप्त नही किये जा सकते। या तो उन्हे भू के गर्भ में गाड़ना पड़ता है या फिर जलाया जाता हैं और इन दोनो ही परिस्थितियों में यह प्रकृति का अत्यधिक हानि पहुँचाता हैं। अतः इस पर विचार करके मैंने अपने क्षेत्र को 'पोलिथीन फ्री जोन' बनाने के लिए इसके प्रयोग/उपयोग पर रोक लगाने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया हैं। जिसमें हम स्पीकरो व समाचार पत्रों द्वारा लोगो तक इससे होने वाली हानियों को बतायेंगे। यह नालियों में जाकर उन्हें जाम कर देती हैं। गाय यदि इसका सेवन करले तो उनकी मृत्यु भी हो सकती है। और मुझे खुशी हैं कि आज हमारे क्षेत्र के लोग ने यह प्रण लिया कि वे कपडों की थेली अर्थात (क्लॉथ बेग) का उपयोग करेंगे।

MPBSE